www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी खबर

वर्ष – 04 | अंक – 251 | जौनपुर शुक्रवार, 01 मई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

मणिपुर के राज्यपाल ने शिक्षा क्षेत्र में गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका की सराहना की

इंफाल, (एजेंसी)। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने बुधवार को राज्य के सुदूर और सीमावर्ती क्षेत्रों में शिक्षा, सामाजिक विकास और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत गैर सरकारी संगठनों के प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल ने वर्चुअल माध्यम से पर्वतीय तामेंगलोंग जिले के हौगैलोंग में नवनिर्मित पौ शंकर काने विद्यालय भवन का उद्घाटन किया। यह भवन उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय के अधीन उत्तर पूर्वी परिषद के वित्तीय सहयोग से निर्मित किया गया है।पौ शंकर काने विद्यालय की स्थापना 2009 में मुंबई स्थित शिक्षण संस्थान पूर्वा सीमा विकास प्रतिष्ठान की पहल पर की गई थी। छात्रों, शिक्षकों और गणमान्य व्यक्तियों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए राज्यपाल ने इस अवसर का हिस्सा बनकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रतिकूल मौसम के कारण वे शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने मणिपुर के सुदूर और सीमावर्ती क्षेत्रों में शिक्षा, सामाजिक विकास और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए पूर्वा सीमा विकास प्रतिष्ठान के समर्पित प्रयासों की सराहना की।स्कूल की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए।

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी जताया दुख, उठाई जांच की मांग

बेंगलुरु, (एजेंसी)। बुधवार को शिवाजीनगर में भारी बारिश के बाद सरकारी बोरिंग अस्पताल की चारदीवारी गिरने से तीन बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटनास्थल का दौरा किया और कथित लापरवाही के लिए अधिकारियों को फटकार लगाई। इस बीच, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बेंगलुरु में भारी बारिश के दौरान बोरिंग अस्पताल की चारदीवारी गिरने से बच्चों सहित सात लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया।एक बयान में कुमारस्वामी ने कहा कि इस दिल दहला देने वाली त्रासदी ने उन्हें बहुत विचलित कर दिया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और राज्य सरकार से घायलों को आवश्यक आपातकालीन उपचार उपलब्ध कराने तथा उनके परिवारों को पर्याप्त सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना भी की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बारिश के मौसम में इस तरह की घटनाएं बार–बार होती रहती हैं और आरोप लगाया कि सरकार ने इससे सबक नहीं सीखा है। उन्होंने शहर में ऐसी आपदाओं को रोकने के लिए स्थायी समाधान की आवश्यकता पर बल दिया। घटना की परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए।

कर्मशील और उर्जावान देशवासी ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कर्मशील और उर्जावान लोगों की शक्ति को रेखांकित करते हुए एक संस्कृत सुभाषित शेयर किया। पीएम मोदी ने पोस्ट में लिखा कि कर्मशील और ऊर्जावान देशवासी ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं, जिनके परिश्रम से विकास की नई राहें तय होती हैं। इनके प्रयासों से देश समृद्धि, आत्मनिर्भरता और उन्नति के शिखर को छूता है। उन्होंने सुभाषित शेयर करते हुए लिखा कि अनिर्वेदो हि सततं सर्वार्थेषु प्रवर्तकः। प्रधानमंत्री मोदी ने 29 अप्रैल को सजग नागरिक के कर्तव्य को रेखांकित करते हुए सुभाषित पोस्ट किया था। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा था कि देश के एक सजग नागरिक के रूप में हमारा कर्तव्य है कि हम लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए रिकॉर्ड मतदान सुनिश्चित करें। इस तरह हम न केवल भारतवर्ष के नवनिर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं बल्कि एक समर्थ और समृद्ध राष्ट्र की नींव को और मजबूत कर सकते हैं। वहीं, 28 अप्रैल को भी पीएम मोदी ने संयम और समर्पण को लेकर सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था कि संयम और समर्पण के साथ किया गया परिश्रम अद्भुत सफलता दे सकता है। इससे राष्ट्र की समृद्धि और सामर्थ्य को भी एक नई ऊर्जा मिलती है। इससे पहले, 27 अप्रैल को सुभाषित शेयर करते हुए पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा था कि राष्ट्र की असली शक्ति उसके नागरिकों की निःस्वार्थ सेवा भावना में निहित है। इससे लोग एक दूसरे से प्रेरित होते हैं और हमारा समाज भी और समृद्ध होता है।

सपाइयों के आचरण पर गिरगिट भी शरमा जाए : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए महिला आरक्षण के मुद्दे पर "दोहरा रवैया" अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संसद में विरोध और सदन में समर्थन का दिखावा कर विपक्ष जनता को गुमराह कर रहा है, जिस पर "सपाइयों को देख गिरगिट भी शरमा जाए।" विशेष सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 16 और 17 अप्रैल को लोकसभा में विपक्ष का रवैया महिला विरोधी था और यह सदन भी उसके व्यवहार का गवाह है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर सीधा निशाना साधते हुए कहा पांडेयजी, इस उम्र में तो सच्चाई स्वीकार कीजिए। योगी ने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि जब 2017 में प्रदेश में डबल इंजन सरकार" आई, तब 1.5 साल के भीतर 2 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए, जिस पर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि अब वही दल महिला आरक्षण के पक्ष में खड़े होने का दावा कर रहे हैं जबकि संसद में उसका विरोध किया गया। मुख्यमंत्री ने सपा विधायक पूजा पाल का जिक्र करते हुए कहा कि आप अपनी साथी के आंसू तक नहीं पोंछ पाए," और आरोप लगाया कि सपा का महिलाओं के प्रति रवैया संवेदनशील नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि सपाइयों के आचरण पर "गिरगिट भी शरमा जाए।" कांग्रेस पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि पहले एलपीजी सिलेंडर के लिए महिलाओं को संघर्ष करना पड़ता था, जबकि केंद्र सरकार ने अब 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए हैं।

चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने राष्ट्रपति मुर्मु से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से अपने परिचय पत्र प्राप्त किए हैं। चीन में भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी दी। मार्च में 1992 बैच के आईएफएस अधिकारी दोराईस्वामी को चीन में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया था। चीन में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "विक्रम दोराईस्वामी को चीन में राजदूत के तौर पर उनके असाइनमेंट के लिए भारत की राष्ट्रपति से क्रेडेंशियल्स मिले।" 1992 बैच के आईएफएस अधिकारी विक्रम दोराईस्वामी को चीन में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के मुताबिक उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से इतिहास में मास्टर डिग्री ली। 1992–1993 में नई दिल्ली में अपनी इन–सर्विस ट्रेनिंग पूरी करने के बाद, दोराईस्वामी मई 1994 में हांगकांग में भारतीय दूतावास में थर्ड सचिव नियुक्त हुए। उन्होंने हांगकांग के चीनी विश्वविद्यालय के न्यू एशिया येल–इन–एशिया लैंग्वेज स्कूल से चीनी भाषा में डिप्लोमा पूरा किया। विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी में बताया गया कि विक्रम दोराईस्वामी अभी ब्रिटेन में भारत के हाई कमिश्नर हैं और उन्हें चीन में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। उम्मीद है कि वह जल्द ही यह काम संभाल लेंगे। सितंबर 1996 में उन्हें बीजिंग में भारतीय दूतावास में नियुक्त किया गया था, जहां उन्होंने लगभग चार साल तक जिम्मेदारी संभाली।

सीएम रेखा गुप्ता ने 1400 श्रद्धालुओं की सोमनाथ ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व–सोमनाथ यात्रा का भव्य शुभारंभ हुआ, जहां मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने श्रद्धालुओं से भरी विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर के लिए रवाना किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में आस्था, संस्कृति और गर्व का माहौल देखने को मिला। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, यह उत्सव केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि हजार साल की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक यात्रा का प्रतीक है। अनेक आक्रमणों के बावजूद हमारी आस्था अडिग रही और आज हम गर्व के साथ यहां खड़े हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि देश में सांस्कृतिक जागरण का यह दौर प्रेरणादायक है। सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली से लगभग 1,400 श्रद्धालुओं को लेकर एक विशेष ट्रेन सोमनाथ के लिए रवाना की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि इतने बड़े स्तर पर श्रद्धालु दर्शन के लिए जा रहे हैं। अगर किसी को तीर्थ यात्रा करनी है तो दिल्ली सरकार उनके साथ खड़ी है। रेखा गुप्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि यात्रियों के खाने, पीने और ठहरने की पूरी व्यवस्था दिल्ली सरकार की ओर से की गई है। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने भी यात्रा को लेकर खुशी जताई। उन्होंने कहा, दिल्ली से 1,400 से ज्यादा लोग इस यात्रा पर जा रहे हैं और उनके लिए बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है। यह यात्रा बेहद व्यवस्थित और सुरक्षित है।ष कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिली। भगवान शंकर की भूमिका निभाने वाले एक कलाकार ने कहा, ष्मेरी कामना है कि सभी की यात्रा मंगलमय हो। यह बहुत अच्छी पहल है और ट्रेन की व्यवस्था भी शानदार है। इसके लिए दिल्ली सरकार धन्यवाद की पात्र है।

अश्विनी वैष्णव ने विस्तारित श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 30 अप्रैल को जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से विस्तारित श्रीनगर–कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। यह ट्रेन, जो पहले श्रीनगर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक चलती थी, अब जम्मू तवी तक चलेगी, जिससे देश की सबसे आधुनिक ट्रेन सीधे जम्मू–कश्मीर के सबसे बड़े शहर और रेलवे केंद्र तक पहुंचेगी। हरी झंडी दिखाने के बाद केंद्रीय मंत्री उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) की दो सबसे उल्लेखनीय इंजीनियरिंग संरचनाओं अंजी पुल और चिनाब पुल का निरीक्षण करेंगे। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 जून 2025 को कटरा–श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई थी, तब इसमें 8 डिब्बे थे। तब से यह ट्रेन लगातार पूरी क्षमता से चल रही है और यात्रियों की ओर से इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। ट्रेन में 20 कोच जोड़ने का निर्णय उस मांग का सीधा जवाब है, जिससे ट्रेन की बैठने की क्षमता एक झटके में दोगुनी से अधिक हो जाएगी और विशेष रूप से तीर्थयात्रा और पर्यटन के व्यस्त मौसम के दौरान आरक्षण और प्रतीक्षा सूची पर दबाव काफी कम हो जाएगा।जिन तीर्थयात्रियों को कई दिन पहले ही सीटें बिक जाने का डर रहता है, घाटी की यात्रा की योजना बना रहे पर्यटकों और रोजमर्रा की यात्रा के लिए इस सेवा पर निर्भर रहने वाले स्थानीय लोगों के लिए, विस्तारित रैक का मतलब है कि अब ट्रेन द्वारा उन्हें वापस भेजे जाने की संभावना बहुत कम है। जम्मू–तवी तक विस्तार के साथ ही, 20 कोच वाली वंदे भारत एक्सप्रेस अपने सबसे बड़े यात्री शहर में अपनी क्षमता के अनुरूप पहुंच गई है। यह ट्रेन अंततः उस मांग के अनुरूप बनाई गई है जो हमेशा से इसकी रही है।हालांकि, गुरुवार को हरी झंडी दिखाना उद्घाटन यात्रा का प्रतीक है, विस्तारित जम्मू–तवी–श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस 2 मई से नियमित सेवा में आ जाएगी। कॉरिडोर पर दो जोड़ी ट्रेनें चलेंगी, जो लगभग 266 किमी की दूरी तय करेंगी। पहली ट्रेन (26401) जम्मू–तवी से सुबह 6:20 बजे प्रस्थान करेगी।

पंजाब के जनादेश की रक्षा हमारा कर्तव्य : सीएम मान

चंडीगढ़, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ 5 मई की मुलाकात से पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता के जनादेश और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। राघव चड्ढा समेत 7 राज्यसभा सांसदों के आम आदमी पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उन्हें पंजाब का गद्दार बताया था। इसके साथ ही, भगवंत मान ने दलबदल से जुड़े विषय को लेकर राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा था। गुरुवार को सीएम मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर जानकारी दी कि राष्ट्रपति ने उन्हें 5 मई को दोपहर 12 बजे मिलने का समय दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, ष्पंजाब की जनता के जनादेश और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 5 मई को दोपहर 12 बजे मिलने का समय दिया है। हालांकि, हमने सभी विधायकों के लिए समय मांगा था, लेकिन मुझे अकेले ही मिलने का निमंत्रण मिला है।ष उन्होंने आगे लिखा, ष्मैं अपने साथी विधायकों के साथ राष्ट्रपति भवन पहुंचूंगा। मेरे साथी विधायक बाहर इंतजार करेंगे और मैं अंदर जाकर राष्ट्रपति के समक्ष सभी की ओर से पंजाब की आवाज और जनता का पक्ष मजबूती से रखूंगा। बैठक के बाद अगली रणनीति साझा की जाएगी।

किसी भी परिस्थिति में आतंकवाद के किसी भी कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, "ऑपरेशन सिंदूर ने वैश्विक स्तर पर स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत आतंकी हमले होने की स्थिति में अब केवल कूटनीतिक बयान जारी करने की पुरानी मानसिकता से बंधा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने केवल इरादों और बयानबाजी से आगे बढ़कर निर्णायक कार्रवाई के माध्यम से अपनी अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।" राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि सरकार का दृढ़ रुख है कि किसी भी परिस्थिति में आतंकवाद के किसी भी कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, हवाई हमले और ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खतरे के खिलाफ सरकार के दृढ़ रुख का प्रमाण बताया। राजनाथ सिंह ने कहा, "आतंकवाद विकृत और कुटिल मानसिकता से उपजता है। यह मानवता पर एक काला धब्बा है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला नहीं हैय यह मूल रूप से मानवता के मूलभूत मूल्यों की रक्षा की लड़ाई है। यह एक बर्बर विचारधारा के खिलाफ लड़ाई है जो हर मानवीय मूल्य के सीधे विरोध में खड़ी है। हमने इस भारतीय दृष्टिकोण को देश और विदेश दोनों जगह व्यक्त किया है।" रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि जब तक आतंकवाद मौजूद रहेगा, यह सामूहिक शांति, विकास और समृद्धि के लिए खतरा बना रहेगा। उन्होंने कहा, "आतंकवाद को धार्मिक रंग देकर या नक्सलवाद जैसी हिंसक विचारधारा से जोड़कर उसे जायज ठहराने की कोशिश की जाती है।

आंधी तूफान के चपेट में मासूम सहित बुजुर्ग की मौत

ब्यूरो चीफ राजेश कुमार श्रीवास्तव

अयोध्या।बुधवार को तेज रफ्तार से आई आंधी तूफान ने भारी तबाही मचा दी।जिसमें एक 6 वर्षीय मासूम सहित एक बुजुर्ग की मौत हो गई और आधे दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। वहीं कई मकानो पर पेड़ों के गिरने से मकान धराशाई हो गए । विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई । बुधवार से आज तक बिजली नही आई। और अवरूद्ध रास्ते पूरी तरह खुलवा पाने की पुलिस ने सफलता हासिल कर ली है।और इसी के साथ पुलिस अपनी कार्यवाही में जुटी हुई है।हैदरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत जाना की ओझाने निवासी 70 वर्षीय साधू सिंह पुत्र भगवती सिंह के ऊपर जामुन के पेड़ की डाल गिरने से घायल हो गए थे। जिनकी मृत्यु हो गई और बृहस्पतिवार को नायब तहसीलदार बीकापुर रामखेलावन, हैदरगंज थाने के दरोगा श्रीपति मौर्य, शिव आशीष भारती पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। साथ ही बैंती कला गांव में विजय प्रताप सिंह नाना के यहां अपनी मौसी की शादी में शामिल होने आई 6 वर्षीय मासूम नातिन लाडो पुत्री मंगल सिंह मुसाफिर खाना जनपद अमेठी की मृत्यु उस समय हो गई । जब वह परिवार के साथ बैठका में बैठी थी। तूफान से दीवाल गिर गई जिसमें कई लोग दब गए और गंभीर रूप से घायल हो गये। घायल मासूम की मौत ट्रॉमा सेंटर लखनऊ में हो गई । उसके शव को परिजन घर ले जाकर दफन कर दिए हैं। वहीं मृतक की घायल नानी राजेश्वरी पत्नी विजय प्रताप सिंह और विजय प्रताप सिंह के साले अनिल सिंह का इलाज चिकित्सालय मे चल रहा है।दूसरी घटना में इसी गांव निवासी राजेंद्र प्रताप सिंह पुत्र राम सिंह उम्र लगभग 60 वर्ष, नंदलाल का पुरवा निवासी शालिग्राम पुत्र विजयपाल, रौहारी निवासी रजनीश पुत्र सहीराम उम्र लगभग 22 वर्ष ,जाना बसंती का पुरा निवासी मोनू शर्मा उम्र लगभग 18 वर्ष सहित मऊ बिछिया व अन्य गांवो में भी कई लोग घायल हो गये हैं। कई घायलों का इलाज चिकित्सालय में तो कुछ का स्थानीय स्तर पर हो रहा है।इसी के साथ ही प्रेमा पत्नी मंगल निवासी रौहारी पांडे के मकान उपर नीम का पुराना पेड़ गिर जाने से पूरा मकान ध्वस्त हो गया।गौहनी खुर्द निवासी तुलसा देवी पत्नी मस्तराम का टीन सेड का बना आवास ध्वस्त हो गया ।साथ ही क्षेत्र के बलरामपुर , दशलावन, बेला सहित कई गांवो में सैकड़ो पेड़ों व मकानो के गिरने की सूचना है। विद्युत के सैकड़ो पल भी टूट कर धराशाई होने से विद्युत व्यवस्था पूरी तरह असत व्यस्त हो गयी है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना हैदरगंज के इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटना मृत्यु के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया।वहीं मासूम बालिका के शव उसके परिवार के लोग उसके घर अमेठी ले गए है।अवर अभियंता विद्युत उपकेंद्र केला लाल खां ने बताया कि सभी कर्मचारी विद्युत सेवा बहाल करने में जुटे हुए है ।

संपादकीय

खाड़ी देशों में फूट

प.एशिया में चल रहे तनाव के कारण जो ऊर्जा संकट कायम हुआ है, उसमें पहले ही दुनिया की सांसें अटकी हुई हैं और इस बीच संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई ने मंगलवार को घोषणा की है कि वह 1 मई से ओपेक यानी ऑर्गनाइजेशन ऑफ पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज और उसके व्यापक ओपेक समूह से अलग हो जाएगा। जानकारी के लिए बता दें कि ओपेक मुख्य रूप से खाड़ी के तेल निर्यात करने वाले देशों का संगठन है, जिसने कई दशकों तक उत्पादन घटा–बढ़ाकर और कोटा तय करके वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को नियंत्रित किया है। ओपेक की स्थापना 1960 में पांच देशों ईरान, इराकध, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला ने मिलकर की थी, ताकि उत्पादन का तालमेल बैठाकर तेल निर्यातकों के हितों की रक्षा की जा सके और सदस्यों के लिए स्थिर आय सुनिश्चित हो। लेकिन वक्त के साथ इसके सदस्य देश बढ़े और अब ओपेक प्लस में ऐसे देश भी शामिल हैं जो ओपेक के सदस्य नहीं हैं।यूएई का ओपेक छोड़ने का यह फैध्सला लगभग 59 साल बाद आया है और इसे सऊदी अरब के नेतृत्व वाले तेल कार्टेल ओपेक के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। यूएई के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा, श्यह फैसला हमारे देश की लंबी अवधि की रणनीतिक और आर्थिक नजरिए को लेकर है। हम अब अपनी ऊर्जा क्षमता को और बढ़ा रहे हैं और घरेलू ऊर्जा उत्पादन में तेजी से निवेश कर रहे हैं। हम वैश्विक ऊर्जा बाजार में जिम्मेदार, भरोसेमंद और भविष्य की ओर देखने वाली भूमिका निभाते रहेंगे।य यूएई ने यह भी कहा कि बाहर निकलने के बाद भी वह जिम्मेदारी से काम करेगा और बाजार की मांग के अनुसार धीरे–धीरे अतिरिक्त तेल उत्पादन बढ़ाएगा।दरअसल, यूएई ने अपनी तेल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है। लेकिन, वह ओपेक के लगाए गए उत्पादन में कटौती के प्रतिबंध के कारण अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा है। इससे उसकी राजस्व क्षमता घट रही है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, यूएई लगभग 2.9 मिलियन बैरल प्रतिदिन तेल का उत्पादन करता है। जबकि उसकी वर्तमान क्षमता 4.85 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक है। अब उसका लक्ष्य 2027 तक 5 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंचने का है। ऐसे में ओपेक से बाहर निकलने के बाद, यूएई अब बिना किसी कोटा प्रतिबंध के अपनी इस पूरी क्षमता से तेल उत्पादन कर सकेगा।ऊपरी तौर पर यही समझ आ रहा है कि यूएई लंबे समय से ओपेक के उत्पादन प्रतिबंधों से परेशान था।

बे-जुबां कैमरे का बोलना

कला व कलाकार के बीच का यह रिश्ता ही अंतिम सत्य हैश ऐसी कितनी ही बातें उस रात हुईंश जयप्रकाशजी कर क्या रहे हैं, लोकतंत्र के विकास में इस आंदोलन का रोल क्या है, दमन के सामने बहादुरी से खड़े इन नौजवानों की प्रेरणा क्या है जैसी कितनी ही बातें हम कर गएश रघु राय तब अपने फोटो का नया एंगल खोज रहे थे। जिसे हम न्यूज–फोटोग्राफी कहकर निकल जाते हैं और जो न्यूज के साथ ही दम तोड़ जाती है, रघु राय उसके पार जाते थे। अप्रैल 2026 को जब रघु राय ने अपने कैमरे का शटर दबाया होगा, तब उन्हें इल्म हुआ होगा कि उनका कैमरा बंद हो गया है। अब वह न कभी खुलेगा, न कभी बोलेगा! उनका कैमरा बोलता था। रघु राय के कैमरे और दूसरों के कैमरे में यही फर्क था। दूसरों का कैमरा बोलता नहीं था, देखता थाय रघु राय का कैमरा गूंगा होने को तैयार नहीं था, वह बोलता था। महान कनाडियन कैमराकार यूसुफ कार्श का कैमरा नहीं बोलता था, उनके पोट्रेट बोलते थे। उनके पोट्रेट के पात्रों की आंतरिक विशेषताओं को उनका कैमरा जैसे छू लेता था। वह कहता कुछ नहीं था, हमारे सामने उस व्यक्ति को खड़ा कर देता था।मैंने ऐसा ही कुछ पहली बार पटना की उस मित्र–मंडली में कहा था जिसमें रघु राय भी मौजूद थे। चेहरे पर सदा खिली रहने वाली आत्मीय मुस्कान के साथ वे मुझे सुन रहे थेरू रघु राय के फोटोग्राफ्स बोलते हैं इसलिए हमें उनके पास ठहरना पड़ता है, ताकि उन्हें सुन सकेंय रघु राय के फोटोग्राफ्स दौड़ते हैं इसलिए हमें उनके साथ तेज दौड़ लगानी पड़ती है, ताकि कहीं पीछे न छूट जाएं! मुझे कई बार लगा है कि उनके फोटोग्राफ्स की एक श्रृंखला देखते–देखते सांस फूलने लगती है।मैं आज कहना चाहता हूं कि रघु राय हमारे दौर के सबसे तेज रफ्तार कैमराकार थे जो गति, शब्द व चित्र, तीनों का अप्रतिम संतुलन साध पाते थे। मैं यह आज इसलिए कहना चाहता हूं, क्योंकि रघु राय अब नहीं हैं। अब वह आंख नहीं है जो कैमरे से जुड़कर वह संसार उजागर कर जाती थी जिसे देखते हुए भी हम देख नहीं पाते थे। उनकी आंखों में कैमरा लगा था और उस कैमरे में महाभारत वाले संजय की आंख लगी थी। कई लोग कहते रहे, उनकी विदाई–लेखों में भी लिखा जा रहा है कि वे आला दर्जे के न्यूज–फोटोग्राफर थे। रघु राय के परिचय में जब ऐसा कहा जाता है तब मुझे ऐसा प्रतीत होता है जैसे कोई जवाहर लाल नेहरू के परिचय में कहे कि वे भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। यह परिचय सच है, लेकिन जवाहरलालजी का इससे बौना परिचय दूसरा हो नहीं सकता। वे बहुत कुछ और भी थे जिसके साथ भारत के प्रधानमंत्री भी थे। रघु राय बहुत कुछ और भी थे जिसके साथ न्यूज–फोटोग्राफर भी थे।हम बहुत कम समय तक एक–दूसरे को जानते रहे। फिर एकदम अलग हो गए। फिर इधर के दिनों में, जब मैं दिल्ली आया तो फिर कुछ मिलना हुआ। इसलिए निजता का मेरा कोई दावा नहीं है, लेकिन 1974 से जो शुरू हुई, वह सौहार्द्रपूर्ण पहचान बनी रही। मैंने उनसे भी कहा था और आज भी दोहराता हूं कि रघु राय के कैमरे को 1974–77 के दौर में वह संस्कार मिला जिसने उन्हें फोटोग्राफर से कहीं आगे खड़ा कर दिया। अपना कैमरा लेकर जब रघु राय जयप्रकाश नारायण व उनके आंदोलन के करीब पहुंचे तब उन्हें भी अंदाजा नहीं था कि उनका कैमरा यहां से अपना चरित्र बदलने वाला है। मुझे पता नहीं है कि रघु राय 1974 से पहले जयप्रकाश से परिचित थे या नहीं। कभी पूछा नहीं, कभी ऐसी बात निकली नहीं, लेकिन सिताबदियारा की वह रात मुझे खूब याद है जब दिन भर की तूफानी सभाओं व सार्वजनिक जयकारों–हाहाकारों से निकलकर हम देर शाम जयप्रकाशजी के पैतृक गांव सिताबदियारा पहुंचे थे। अपना वह गांव और अपना वह खपड़ैल का मकान जयप्रकाशजी को बहुत प्यारा था। उसकी उष्मा में वे विभोर होकर रहते थे– चाहे जितना रह सकें! उस शाम बेहद थके होने के बाद भी वे वैसे ही मगन–मन थे। वहां जगह भी कम थी, सुविधाएं तो और भी कमय और उसमें औचक आ पहुंचे 10–15 शहरी मेहमान! सबकी व्यवस्था थी। सबको उनकी जगह पहुंचाकर, खाना आदि करवाकर थोड़ी राहत मिली।जयप्रकाशजी भी थकान से निबटकर थोड़े स्थिर हुए तो सब मेहमानों की व्यवस्था की जानकारी ली। बिस्तर, मच्छरदानी, पीने का पानी, बाथरूम सब पूछा –श्इनमें से कुछ होंगे जिन्हें सोने से पहले चाय–कॉफी की जरूरत होती होगी। वह सब पूछा न?श पूछा तो था, लेकिन बहुत आग्रह से नहीं, इसलिए जवाब में थोड़ा संशय था।

प्राइम मक्खन और कंधों पर कंकाल वाला भारत

सर्वमित्रा

भारतीय समाचार 2024 के चुनाव में भाजपा ने ओडिशा पर शासन करने में सफलता हासिल कर ली थी। जो बीजू जनतादल लगातार एनडीए का हिस्सा बना रहा, वो मोदी के दौर में अलग हो गया और ओडिशा में उसी की सत्ता भाजपा ने खत्म कर दी। लोगों से यही वादा किया गया कि बीमारू राज्यों की श्रेणी में शामिल ओडिशा में अब विकास होगा। लेकिन यहां लगातार प्रताड़ना की खबरें आ रही हैं। श की ताजा घटनाओं पर दो अलग–अलग तरह के कैरिकेचर देखने मिले। अमूल मक्खन के विज्ञापन में इस बार फुटबॉल खिलाड़ी बने प्रध ानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दर्शाते हुए लिखा गया है सेंटर के फॉरवर्ड, अमूल प्राइम मक्खन। पाठक जानते हैं कि फुटबॉल के खेल में सेंटर–फॉरवर्ड की स्थिति पर खेल रहे खिलाड़ी की भूमिका सबसे अहम होती है। सेंटर फॉरवर्ड विरोधी टीम के गोल के सबसे पास यानी केंद्रीय स्थिति में खेलने वाला मुख्य हमलावर होता है। उसकी प्राथमिक भूमिका गोल करना है। एक कुशल सेंटर–फॉरवर्ड न केवल गोल दागेगा, बल्कि गेंद को अपने पास रख कर अपने बाकी साथियों के लिए अवसर बनाकर विपक्षी रक्षा पंक्ति को पूरी तरह व्यस्त रखता है। तो अमूल के हिसाब से नरेन्द्र मोदी इस समय ऐसे ही गोल के पास खड़े हैं, बल्कि गोल दाग भी रहे हैं और विपक्ष को हैरान–परेशान कर रहे हैं। सेंटर के फॉरवर्ड की मुख्य पंक्ति के साथ नीचे अमूल ने लिखा है– अमूल प्राइम मक्खन। अब पाठक इसका भी विश्लेषण अपनी–अपनी तरह से कर सकते हैं। पीएम मोदी को फुटबॉल में अहम भूमिका में खेलने वाला बताकर क्या कंपनी ने प्राइम मक्खन लगाया है यानी हद दर्जे की चाटुकारिता दिखाई है या फिर तंज कसा है। अमूल का मकसद जो भी रहा हो, लेकिन इस बहाने मोदी का फुटबॉल खेलना फिर से चर्चा में आ गया। हालांकि पिछले पांच दिनों में केवल फुटबॉल खेलने का वीडियो प्रध ानमंत्री ने नहीं बनवाया है, बल्कि खाली समय बिताने के लिए और भी बहुत कुछ किया है।प.बंगाल में चुनावी रैली में टीएमसी और कांग्रेस को कोसते–कोसते प्रधानमंत्री थक गए तो हुगली नदी पर नौकाविहार करने चले गए। अपना कैमरा भी साथ ले गए। उनकी शूटिंग टीम ने उन्हें तस्वीरें उतारते हुए अपने कैमरों में उतारा। एक पुराना गीत है– सुनयना, आज इन नजारों को तुम देखो और मैं तुम्हें देखते हुए देखूं। बस इसी भाव के साथ मोदीजी की वीडियो कैमरा टीम ने उनका वीडियो बनाया है। प.बंगाल से मोदी सिक्किम पहुंचे, वहां गंगटोक में रोड शो हुआ, तो फिर वीडियो बना। इसके बाद युवा खिलाड़ियों के साथ साहब ने फुटबॉल भी खेला, वो भी बाकायदा फुटबॉल खिलाड़ियों की पोशाक में। इसका भी वीडियो बना। फुटबॉल खेलते हुए तो अखिलेश यादव, राहुल गांधी के भी वीडियो बने हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें तामझाम की जरूरत नहीं पड़ी। अखिलेश यादव के कुर्ते पायजामा में ही फुटबॉल खेलते कई वीडियो हैं। जब वो मैसूर में कॉलेज में पड़ते थे, तभी फुटबॉल खेलते हुए ही उनकी नाक में फैक्चर हुआ था। इसी तरह राहुल गांधी भी कई बार युवाओं या बच्चों के साथ फुटबॉल खेलते देखे गए हैं। उन्हें भी कॉलेज के दिनों में फुटबॉल खेलते समय घुटने में गंभीर चोट लगी थी, जिसका ऑपरेशन हुआ और लंबे समय तक फिजियोथेरेपी चली। यह पुरानी चोट भारत जोड़ो यात्रा के दौरान फिर से उभर आई थी, जिससे उन्हें दर्द और चलने में परेशानी हुई। अफसोस कि मोदीजी ऐसी किसी चोट से अपना रिश्ता नहीं जोड़ सकेंगे, क्योंकि नहीं पता कि उन्होंने कॉलेज के दिनों में क्या पढ़ाई की और कौन से खेल खेले? लेकिन अब फुटबॉल खेलकर उन्होंने अपनी इस कसक को भी पूरा कर लिया है, बस किसी चोट का जिक्र नहीं है। वैसे उनके शासन में जनता को ही खूब चोटें मिली हैं और उसे मलहम भी खुद ही लगाना पड़ रहा है। दूसरा कैरिकेचर इसी से जुड़ा है। उसका वर्णन आगे होगा। फिलहाल मोदीजी का फुटबॉल खेलना प.बंगाल चुनाव के बीच सोची समझी रणनीति दिखती है।क्योंकि बंगाल के लोगों की फु टबॉल के प्रति दीवानगी जगजाहिर है। यहां के मैदान में ममता बनर्जी ने फुटबॉल को किक मारते हुए पिछले चुनावों में कहा था खेला होबे और वाकई तब भाजपा के साथ खेल हो गया था। उसे हार का सामना करना पड़ा था। अब किक मोदीजी ने मारी है, तो देखना होगा कि खेल हुआ या नहीं। हालांकि गंगटोक में फुटबॉल खेलने पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी को कांग्रेस ने याद दिलाया कि पास में ही मणिपुर भी है, जो फिर से हिंसा से ग्रस्त है और वहां के बच्चे, युवा भी फुटबॉल खेलना पसंद करते हैं। हिंसा के कारण राहत शिविरों में रह रहे बच्चों के लिए राहुल गांधी ने फुटबॉल भी भिजवाई है। तो प्रधानमंत्री चाहते तो सिक्किम के बाद मणिपुर जाते, वहां भले फुटबॉल नहीं खेलते, लेकिन कम से कम हालात का जायजा लेते तो पुलिस प्रशासन को भी बल मिलता और लोगों को राहत की उम्मीद बंधती। लेकिन प्रधानमंत्री सिक्किम से उत्तरप्रदेश में अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी चले गए। गृहमंत्री अमित शाह भी 27 तारीख तक प.बंगाल में ही थे, वे भी मणिपुर नहीं गए। बल्कि गुजरात चले गए। इन दोनों की प्राथमिकता केवल चुनाव जीतना और भाजपाशासित राज्यों की गिनती बढ़ाना है। उसके बाद राज्यों में चाहे लोग कंकाल ढोने पर मजबूर हो जाएं, इन्हें फर्क नहीं पड़ता।2024 के चुनाव में भाजपा ने ओडिशा पर शासन करने में सफलता हासिल कर ली थी। जो बीजू जनतादल लगातार एनडीए का हिस्सा बना रहा, वो मोदी के दौर में अलग हो गया और ओडिशा में उसी की सत्ता भाजपा ने खत्म कर दी। लोगों से यही वादा किया गया कि बीमारू राज्यों की श्रेणी में शामिल ओडिशा में अब विकास होगा। लेकिन यहां लगातार प्रताड़ना की खबरें आ रही हैं। लड़कियों की असुरक्षा, सांप्रदायिक तनाव, आदिवासी उत्पीड़न, विकास के नाम पर जंगलों का काटना यह सब तो लगातार हो ही रहा है, लेकिन अब एक ऐसा वीडियो सामने आया जो आत्मनिर्भर, विकसित भारत के मुंह पर करारा तमाचा है। देश ने कई बार बीमार परिजन को कंधे पर ढोकर अस्पताल ले जाते देखा है, कंधों पर या ठेलों पर अपने प्रियजन की लाश ले जाने के मार्मिक दृश्य भी सामने आए हैं, क्योंकि गरीब को एंबुलेंस नहीं मिलती। लेकिन एक बूढ़े व्यक्ति को कब्र से अपनी बहन का कंकाल निकालकर कंधे पर ढोना पड़े, ताकि वो बैंक में यह दिखा सके कि देखो ये मर चुकी है, तो इसकी मार्मिकता, हालात की भयावहता, प्रशासन की सूखती संवेदना, सरकारों की निष्ठुरता को किन शब्दों में बयां किया जाए। इस दृश्य के लिए शब्द चूक गए लेकिन टाइम्स ऑफ इंडिया के कार्टूनिस्ट संदीप अध्वर्यू ने इस पर एक सटीक कैरिकेचर बनाया है। जिसमें अर्द्धनग्न आदिवासी के कंधे पर उसकी बहन का कंकाल है और लिखा है कि– ओडिशा में बैंक ने दावे को खारिज किया तो अपनी बहन के कंकाल को कंधे पर ले जाता शख्स। इसके नीचे के वाय सी लिखकर उसका विस्तार बताया गया है।

4 मई के बाद बदल जाएगी देश की राजनीति

संतोष

जाहिर है कि इन पांच राज्योंध केंद्र शासित प्रदेश के चुनावी नतीजें सिर्फ इन राज्यों के मुख्यमंत्री ही तय नहीं करेंगे बल्कि दोनों गठबंधन– एनडीए एवं इंडिया को भी प्रभावित करेंगे। यह भी एक तथ्य है कि चाहे, चुनावी नतीजे जो भी आए लेकिन इसके बाद देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों में तेजी से बड़े बदलाव दिखाई देने लगेंगे। देश के चार राज्यों– असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल एवं एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विध ानसभा चुनाव को लेकर तमाम एग्जिट पोल भी सामने आ चुके है। इस बार का विधानसभा चुनाव , इस मायने में बहुत खास है कि इसमें देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों–कांग्रेस और बीजेपी के साथ ही तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और एआईएडीएमके जैसे ताकतवर क्षेत्रीय दलों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। सबसे बड़ा सवाल तो लेफ्ट फ्रंट के दलों के सामने खड़ा हो गया है क्योंकि केरल की सत्ता हाथ से जाते ही उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में तो लेफ्ट पार्टियां पहले ही साफ हो चुकी है। जाहिर है कि इन पांच राज्योंध्केंद्र शासित प्रदेश के चुनावी नतीजें सिर्फ इन राज्यों के मुख्यमंत्री ही तय नहीं करेंगे बल्कि दोनों गठबंधन– एनडीए एवं इंडिया को भी प्रभावित करेंगे। यह भी एक तथ्य है कि चाहे, चुनावी नतीजे जो भी आए लेकिन इसके बाद देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों में तेजी से बड़े बदलाव दिखाई देने लगेंगे। बीजेपी ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर कई महीने पहले ही बदलाव की शुरुआत कर दी थी लेकिन वह बदलाव अभी संगठन के ढांचे और सरकार तक नहीं पहुंच पाया है। बताया जा रहा है कि चुनावी नतीजों के बाद नितिन नवीन की नई टीम के गठन के लिए उच्चस्तरीय बैठकों का दौर शुरू होगा। बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस बात की है कि वो बुजुर्ग हो चुके नेताओं को संगठन से बाहर रहने के लिए कैसे मना पाते हैं क्योंकि सबसे युवा अध यक्ष चुनने के बाद पार्टी उनकी टीम को भी युवा नेताओं से ही भरना चाहती है। पार्टी के युवा राष्ट्रीय अध यक्ष की अध्यक्षता में बीजेपी को पार्टी का फैसला लेने वाली सर्वोच्च ईकाई संसदीय बोर्ड, उम्मीदवारों का चयन करने वाली केंद्रीय चुनाव समिति के साथ ही राष्ट्रीय पदाधिकारियों और मोर्चों का पुनर्गठन करना है। पार्टी में नए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया सहित विभिन्न विभागों की टीम के साथ ही राष्ट्रीय मोर्चों का भी पुनर्गठन करना है। इसके बाद बदलाव की यही प्रक्रिया सरकार और राज्यों में भी की जानी है। नई टीम में एक तरफ जहां युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाना होगा वहीं महिलाओं को भी ज्यादा से ज्यादा जगह देनी होगी। बताया जा रहा है कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के 10–15 दिनों के अंदर नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान हो सकता है और इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय का पूरा स्वरूप ही बदला–बदला नजर आएगा। कांग्रेस में भी बड़े पैमाने पर बदलाव की शुरुआत आने वाले दिनों में होने जा रही है। मोदी–शाह की जोड़ी ने 46 वर्ष के नितिन नवीन को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर राहुल और सोनिया गांधी के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे सुलझे हुए परिपक्व नेता तो हैं लेकिन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को भी एक युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ युवा नेताओं की टीम तो खड़ी करनी ही पड़ेगी। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि राहुल गांधी अभी भी इस बात पर अड़े हुए हैं कि गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनेगा। ऐसे में जाहिर से बात है कि कांग्रेस को राहुल और प्रियंका गांधी से इतर जाकर अन्य युवा नेताओं की तरफ देखना पड़ेगा। इस रेस में फिलहाल सचिन पायलट सबसे आगे बताए जा रहे हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, दोनों के चहेते नेता सचिन पायलट को आने वाले दिनों में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है, अगर अशोक गहलोत ने पार्टी के बुजुर्ग नेताओं के साथ

मिलकर कोई और खेला नहीं कर दिया तो। ध्यान दीजिएगा कि, यह अकारण नहीं है कि पिछले कुछ दिनों से गहलोत बार–बार पायलट की बगावत का किस्सा सुनाने में लगे हुए है। लेकिन अगर पायलट का नाम पीछे छूट भी गया तो भी राहुल गांधी को पार्टी के लिए नया और वो भी युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष तो ढूंढना ही पड़ेगा। कांग्रेस के अंदर वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को लेकर भी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की गुटबाजी पर लगाम कसने के लिए खड़गे को मुख्यमंत्री बनाकर बेंगलुरू भेजा जा सकता है और उनकी जगह पर दिल्ली में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को बैठाया जा सकता है। जाहिर सी बात है कि अगर खड़गे कर्नाटक जाएंगे तो फिर पार्टी को राज्यसभा में भी अपना नया नेता चुनना पड़ेगा। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय संगठन महासचिव भी किसी युवा नेता को ही बनाना पड़ेगा और उसके बाद कांग्रेस मुख्यालय में भी नए चेहरों की संख्या बढ़ जाएगी। यह तय मान कर चलिए कि बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन में मई के महीने में ही बदलाव होना तय है। हालांकि कांग्रेस में बदलाव की यह रफ्तार थोड़ी धीमी हो सकती है।

विजय पथ तक पहुँचने के लिए पश्चिम बंगाल में धर्म पथ पर खूब चले मोदी और शाह

नीरज

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के लिए जी–तोड़ मेहनत करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जमकर चुनाव प्रचार तो किया ही साथ ही पूजा पाठ में भी कोई कमी नहीं छोड़ी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान वाले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ का पूजन कर रहे थे। जबकि मतदान से एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में भगवान श्री सोमनाथ का पूजन किया। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगा में जाकर मिलने वाली हुगली नदी में नौका यात्रा और पूजन किया तो वहीं अमित शाह ने हुगली नदी और बंगाल की खाड़ी के पवित्र संगम पर स्थित गंगासागर का दर्शन और पूजन किया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मतुआ समुदाय के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी और राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ठनठनिया काली मंदिर में पूजा–अर्चना की तो अमित शाह ने कपिल मुनि आश्रम में महर्षि कपिल का पूजन कर देशवासियों के कल्याण की कामना की। बंगाल में मतदान वाले दिन प्रधानमंत्री का श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करने का अधिक महत्व इसलिए है क्योंकि काशी (वाराणसी) को बंगालियों का दूसरा घर या सांस्कृतिक रूप से बंगाल के बहुत करीब माना जाता है। सदियों से बंगाली तीर्थयात्री, विद्वान और साधु–संत काशी आते रहे हैं, साथ ही कई बंगाली जमींदारों और राजाओं ने काशी में घाटों और मंदिरों का निर्माण करवाया। यही नहीं, वाराणसी में दशाश्वमेध घाट के पास स्थित श्बंगाली टोलाश क्षेत्र में बंगाली समुदाय की घनी आबादी है, जहाँ बंगाली संस्कृति, भाषा और खान–पान का गहरा असर देखने को मिलता है। वहीं गुजरात के श्री सोमनाथ में त्रिवेणी संगम (कपिला, हिरन और सरस्वती) के पास चंद्रभागा शक्तिपीठ स्थित है, जो बंगाली भक्तों के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से हुगली नदी पर किये गये नौका विहार का भी खास महत्व है। हुगली को श्आदि गंगाश के रूप में पूजा जाता है। बंगाल के लोगों के लिए हुगली का महत्व वैसा ही है जैसा उत्तर भारत में गंगा का है। नरेंद्र मोदी ने 2014 में जब लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए वाराणसी को चुना था तो उन्होंने सबसे पहले यही कहा था कि मुझे तो माँ गंगा ने बुलाया है। इसी तरह खुद को श्गंगापुत्रश कहने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल चुनावों के बीच हुगली को ष्मां गंगाष कहकर संबोधित किया और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इससे उन्होंने अपनी छवि को बंगाल की ध ार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं के साथ जोड़ा। प्रधानमंत्री ने हुगली के किनारे समय बिताकर और बेलूर मठ जैसे आध्यात्मिक केंद्रों की यात्रा कर यह दिखाने की कोशिश भी की कि उनकी पार्टी बंगाल की जड़ों और विरासत का सम्मान करती है। वहीं अमित शाह की गंगा सागर यात्रा भी काफी प्रभावशाली रही। सदियों से यह कहा जाता रहा है कि सब तीर्थ बार बार, गंगा सागर एक बार। अमित शाह ने इस यात्रा के जरिए भाजपा को बंगाल की जड़ों से जोड़ा। ऐतिहासिक कपिल मुनि आश्रम में पूजा–अर्चना कर उन्होंने बंगाली धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया। उन्होंने गंगा को गंगोत्री से लेकर गंगा सागर तक भारत को जोड़ने वाली एक आध्यात्मिक कड़ी बताया, जिससे भाजपा ने यह संदेश दिया कि बंगाल की संस्कृति पूरे भारत के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। साथ ही अमित शाह ने गंगा सागर में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देकर धर्म और राष्ट्रवाद को एक साथ जोड़ा, जो भाजपा की चुनावी रणनीति का मुख्य आधार रहा है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य की राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ठनठनिया काली मंदिर में पूजा–अर्चना कर भी बड़ा संदेश दिया। उत्तरी कोलकाता की प्रमुख उत्तर–दक्षिण सड़क बिधान सरानी पर स्थित, ठनठनिया काली मंदिर की स्थापना 1703 में उदय नारायण ब्रह्मचारी ने उस भूमि पर की थी, जहां उस समय श्मशान घाट हुआ करता था। इस मंदिर में मां सिद्धेश्वरी की पूजा की जाती है। यहाँ की एक विशिष्ट परंपरा मांसाहारी प्रसाद चढ़ाने की है। इस मंदिर में पूजा कर प्रध ानमंत्री ने यह संदेश दिया कि भाजपा बंगाल की विविध खान–पान और ध ार्मिक परंपराओं को स्वीकार करती है और उनका सम्मान करती है, जिससे विरोधियों के ष्शाकाहारी थोपनेष के आरोपों का जवाब दिया गया। साथ ही यह मंदिर रामकृष्ण परमहंस से भी जुड़ा है, जो यहाँ अक्सर भजन गाने आते थे। इस यात्रा के जरिए भाजपा ने खुद को बंगाल के पुनर्जागरण और आध्यात्मिक महापुरुषों की विरासत से भी जोड़ा। वहीं उत्तर 24 परगना जिले के ठाकुरनगर में मतुआ महासंघ के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी में दर्शन कर प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल के दलित (नामशुद्र) समाज के प्रति सम्मान व्यक्त किया। पीएम मोदी ने 2021 में बांग्लादेश स्थित मतुआ समुदाय के जन्मस्थान ओराकांडी की भी यात्रा की थी। ठाकुरबाड़ी की वर्तमान यात्रा उस निरंतरता को दर्शाती है। मतुआ मतदाता कम से कम 34 विधानसभा सीटों और बांग्लादेश सीमा के करीब स्थित दो दर्जन अन्य सीटों को सीध ो तौर पर प्रभावित करते हैं। उल्लेखनीय है कि हरिचंद ठाकुर द्वारा 19वीं शताब्दी में स्थापित मतुआ महासंघ एक सामाजिक–धार्मिक आंदोलन है, जिसने ऐतिहासिक रूप से शिक्षा और सामाजिक सुधार के माध्यम से नामशुद्र समुदाय के उत्थान के लिए काम किया है। बहरहाल, पश्चिम बंगाल चुनावों के दौरान प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की ये धार्मिक यात्राएं केवल व्यक्तिगत आस्था तक सीमित नहीं थीं, बल्कि वे एक व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा थीं। इन यात्राओं के माध्यम से भाजपा ने बंगाल की सांस्कृतिक, ध ार्मिक और सामाजिक जड़ों से जुड़ने का प्रयास किया।

जमीन विवाद से आहत युवक ने किया आत्महत्या, पत्नी ने लगाया प्रताड़ना का आरोप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बक्शा थाना क्षेत्र के हकारीपुर गांव में शुक्रवार सुबह एक 44 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान अजीत कुमार सरोज पुत्र स्वर्गीय श्याम बहादुर गौतम के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार, अजीत कुमार ने गुरुवार रात घर के कमरे में फांसी लगाकर

आत्महत्या कर ली। सुबह जब परिवार के लोगों ने उन्हें कमरे में लटका देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मृतक की पत्नी नगीना देवी ने गांव के ही एक व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि अजीत कुमार ने अपनी जमीन का मुवायदा (समझौता) सुभाष गौतम के साथ किया था। बाद में जब अजीत ने मुवायदा वापस लेने की कोशिश की, तो सुभाष ने इनकार कर दिया। आरोप है कि इसी बात को लेकर वह लगातार मानसिक दबाव बना रहा था, जिससे परेशान होकर अजीत ने यह कदम उठाया। सूचना पर पहुंची बक्शा पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। इस मामले में थानाध्यक्ष लक्ष्मण विक्रम सिंह ने बताया कि, पत्नी की तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

क्लब में हंगामा, मारपीट करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। विभूतिखंड के साइबर हाइट्स स्थित बिग डैडी क्लब में सोमवार देर रात छेड़छाड़ और गाली–गलौज के बाद हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगी है। इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह ने बताया कि कठौता चौराहे के पास रहने वाला युवक दोस्त की बहन और दो अन्य युवतियों के साथ पार्टी करने गया था। क्लब में रायबरेली के रावतपुर निवासी शिवेंद्र सिंह और भूतनाथ मार्केट निवासी वरुण कश्यप भी थे। आरोप है कि दोनों ने युवती से छेड़छाड़ की, जिसके बाद मारपीट हुई। हमले में बेल्ट, कांटा और चाकू का इस्तेमाल किया गया। दूसरे पक्ष ने गाली–गलौज और बीयर की बोतल से हमले का आरोप लगाया। दोनों पक्षों ने विभूतिखंड थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने रायबरेली के सरेनी निवासी रुद्र प्रताप, इंदिरानगर निवासी शिवम, कमता निवासी अतुल और युवती पक्ष के एक युवक को गिरफ्तार किया है।

युवक ने फंदा लगाकर दी जान, कारण स्पष्ट नहीं

लखनऊ, (संवाददाता)। आलमबाग के हड्डीखेड़ा निवासी सचिन (19) ने बीती रात घर में फंदा लगाकर जान दे दी। सचिन के भाई शिवा के अनुसार भाई कबाड़ बेचने का काम करता था। मंगलवार को वह काम के बाद घर लौटा और खाना खाने के बाद मकान के ऊपरी हिस्से में चला गया। देर रात मां मधु छत पर गईं तो टिनशेड के एंगल में दुपट्टे के सहारे सचिन का शव लटका मिला। इंस्पेक्टर आलमबाग का कहना है कि आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। परिजनों ने भी कोई आरोप नहीं लगाया है। सचिन के परिवार में एक भाई और एक बहन है।

अंबेडकर अंडरपास पर फिर थमा ट्रैफिक, जाम में फंसे स्कूली बच्चे

लखनऊ, (संवाददाता)। शहीद पथ स्थित अंबेडकर अंडरपास के नीचे बुधवार को भीषण जाम लग गया। दोपहर 12 बजे लगा जाम तीन बजे तक रहा, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम में स्कूली बच्चे भी काफी देर तक फंसे रहे। दोपहर में स्कूलों की छुट्टी होते ही अक्सर वहां पर वाहनों की कतार लग जाती है। डीपीएस, एलपीएस और मिलेनियम समेत अन्य स्कूलों की छुट्टी के बाद बड़ी संख्या में वाहन एक साथ निकलते हैं। इसी दौरान रायबरेली रोड और कानपुर रोड की ओर से आने वाला ट्रैफिक भी अंडरपास से निकलता है। इसके कारण आए दिन समस्या होती है। बुधवार को जाम के बीच अचानक बारिश शुरू हो गई, जिससे परेशानी और बढ़ गई। बिना एसी वाली वैन में बैठे बच्चे गर्मी और उमस के बीच घंटों फंसे रहे। अभिभावक भी जाम में फंसकर परेशान नजर आए। लोगों का कहना है कि यह समस्या अब आम हो चुकी है। अंडरपास के नीचे अतिक्रमण और ठेले–खोमचे रास्ता संकरा कर देते हैं, जिससे जाम की स्थिति और गंभीर हो जाती है।

11 घंटे तक बिजली गुल, आधी रात को उपकेंद्र पर हंगामा

लखनऊ, (संवाददाता)। न्यू कैंपस उपकेंद्र के मुस्लिमनगर समेत कई इलाकों में बीते मंगलवार पूरी रात बिजली गुल रही। उमस भरी गर्मी में शिकायत की सुनवाई न होने पर उपभोक्ताओं ने उपकेंद्र पहुंचकर खूब हंगामा किया। हालांकि, इसके बाद भी लोगों को राहत नहीं मिल सकी और मंगलवार की रात बिन बिजली के ही काटनी पड़ी। बुधवार सुबह लोगों को पानी के लिए भी तरसना पड़ा। उपकेंद्र से संबंधित साईं नगर, छठा मिल और मुस्लिमनगर क्षेत्रों के 250 व 400 केवीए के ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो गए थे। इससे एक फेज लाइन बंद होने से पूरे इलाके की आपूर्ति रात 11:30 बजे बाधित हो गई। मुस्लिमनगर निवासी अली मोहम्मद ने बताया कि देर तक बिजली न आने पर उन्होंने उपकेंद्र पर संपर्क करने की कोशिश की लेकिन फोन बंद मिला।

छात्रा की आत्महत्या के मामले में आरोपी युवक गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। आशियाना में रहने वाली इंटर की छात्रा की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी सरोजनीनगर निवासी सुहैब अख्तर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि सुहैब की धमकियों से परेशान होकर छात्रा ने आत्महत्या की थी। मूलरूप से कैंट निवासी 17 वर्षीय छात्रा परिवार के साथ आशियाना में रहती थी। किशोरी के पिता के अनुसार, बेटी पढ़ाई के साथ रेस्टोरेंट में भी काम करती थी। कुछ समय पहले रेस्टोरेंट में किशोरी की मुलाकात सुहैब से हुई थी।

''उत्तर मध्य भारत में तीसरे मोर्चे की आहट, सियासी हलचल तेजराष्ट्रीय संयुक्त मोर्चा बनेगा थर्ड फ्रंट ध्रुवीकरण का केन्द्र

प्रतापगढ़/लखनऊ। उत्तर मध्य भारत की राजनीति में एक नए समीकरण की चर्चा तेज हो गई है। राष्ट्रवादी पीपुल्स पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आर.बी. सिंह ने बताया है कि तैयारी पूरी हो चुकी है और राष्ट्रीय संयुक्त मोर्चा की घोषणा, संयोजक तथा आगामी कार्ययोजना तय करने के लिए जल्द लखनऊ में बैठक होने जा रही है। तीसरे मोर्चे के गठन की तैयारी ने सत्तारूढ़ दलों की चिंता बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि इस मोर्चे में 30 से अधिक छोटे–बड़े राजनीतिक संगठनों को जोड़ने की कवायद लगभग पूरी हो चुकी है, जिसमें नित नये संगठन जुड़ रहे हैं। विचारधारा, कार्यक्रम और मुद्दों के आधार पर अन्य राष्ट्रवादी संगठनों से भी संपर्क किया जा रहा है। तीसरे मोर्चे के सूत्रों के अनुसार, यह गठबंधन "न लेफ्ट, न राइट" की नीति पर चलते हुए समानता, न्याय और राष्ट्रहित को प्राथमिकता देगा। साथ ही, जातिवादी राजनीति और कथित जातिवादी कानूनों के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने की बात कही जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह मोर्चा संगठित रूप लेता है, तो 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में नया समीकरण बन सकता है। तीसरे मोर्चे के तहत संयुक्त प्रत्याशी उतारने की रणनीति पर भी विचार किया जा रहा है, जिससे सीधी टक्कर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को मिल सकती है। हालांकि, इस पहल की सफलता संगठनात्मक मजबूती, नेतृत्व की स्वीकार्यता और जमीनी पकड़ पर निर्भर करेगी। फिलहाल, तीसरे मोर्चे की आहट ने प्रदेश की सियासत में हलचल जरूर बढ़ा दी है।

लोजपा (रामविलास) की जौनपुर में समीक्षा बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सदस्यता अभियान सह समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इसमें बिहार के बेलसंड विधानसभा के विधायक अमित रानू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्य अतिथि अमित रानू ने कहा कि अगले साल उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसे देखते हुए पार्टी पूरे प्रदेश में संगठन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय रामविलास पासवान का जितना जनाधार बिहार में था, उतना ही उत्तर प्रदेश में भी था। यूपी के लोग भी उन्हें उतना ही प्रेम देते थे। उन्होंने दावा किया कि यूपी में हमारी पार्टी और हमारे नेता चिराग पासवान को पसंद करने वाले बहुत से लोग हैं। रानू ने कहा कि जौनपुर में हमारा संगठन पूरी मजबूती के साथ खड़ा है, जिसमें बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक के कार्यकर्ता लगे हुए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बिना चुनाव लड़े भी जिले में पार्टी मजबूत है और आने वाले दिनों में यह और सशक्त होगी। पार्टी का लक्ष्य राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की सोच और विजन को उत्तर प्रदेश के धरातल पर उतारना है। पार्टी का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर यूपी में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराना है। इसका स्पष्ट उद्देश्य देश और प्रदेश में सभी को समान अधिकार दिलाना है, जिसमें महिलाओं को उनका उचित अधिकार, युवाओं को रोजगार, तथा सभी को स्वास्थ्य और शिक्षा उपलब्ध कराना शामिल है, जिससे देश का सर्वांगीण विकास हो सके। अमित रानू ने श्बूथ जीतो, चुनाव जीतोश के सिद्धांत पर बूथों को मजबूत करने की बात कही। उन्होंने बताया कि श्लोजपा चली गांव की ओरश अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता हर गांव तक जाकर लोगों को पार्टी के विजन और मिशन से अवगत कराएंगे और उन्हें पार्टी से जोड़ेंगे। उन्होंने पुष्टि की कि पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में गठबंधन होता है, तो सीटों का निर्धारण उसके आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि लोजपा एनडीए के साथ गठबंधन में है और बिहार में उनके 19 विधायक हैं।

जौनपुर में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का प्रदर्शन, 10 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर दी हड़ताल की चेतावनी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में अपनी लंबित मांगों को लेकर आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को संबोधित 10 सूत्रीय ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपते हुए जल्द समाधान की मांग की गई। जिलाध्यक्ष मीना देवी के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकत्रियां कलेक्ट्रेट पहुंचीं और प्रशासनिक अधिकारी शैलेन्द्र सिंह को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं, बच्चों और गरीबों के हित में कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका क्रियान्वयन आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां ही जमीनी स्तर पर करती हैं। बावजूद इसके, उन्हें आज भी अपने बुनियादी अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। मीना देवी ने आरोप लगाया कि कम मानदेय, अधिक कार्यभार और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों के कारण कार्यकत्रियों की स्थिति लगातार खराब हो रही है। कई कार्यकत्रियां समय से पहले बीमार हो रही हैं और आर्थिक तंगी के चलते समुचित इलाज भी नहीं करा पा रही हैं। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा कई बार शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें सरकार के समक्ष रखी गईं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। 8 मार्च, महिला दिवस पर भी वार्ता के दौरान जल्द समाधान का भरोसा दिया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। कार्यकत्रियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे मजबूर होकर हड़ताल का रास्ता अपनाएंगी, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी।

निजी स्कूलों में फीस निर्धारण के लिए बने स्वतंत्र कमेटी, अभिभावक भी हों इसमें शामिल

लखनऊ, (संवाददाता)। निजी स्कूलों में हर साल मनमानी फीस बढ़ोतरी से अभिभावकों की जेब पर महंगाई की मार पड़ रही है। फीस निर्धारण के लिए एक ऐसी स्वतंत्र कमेटी बननी चाहिए, जिस पर किसी भी प्रकार का दबाव न हो। अभिभावकों को भी उसमें शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि निजी स्कूल फीस बढ़ाने से पहले कभी भी अभिभावकों के साथ बैठक नहीं करते। ये बातें अमर उजाला कार्यालय में निजी स्कूलों में फीस बढ़ोतरी के मुद्दे पर बुधवार को आयोजित संवाद के दौरान स्कूल प्रबंधकों की मौजूदगी में अभिभावकों ने कहीं। अभिभावकों ने कहा कि सरकारी स्कूलों में आज व्यवस्था इतनी खराब है कि मजबूरी में अभिभावकों को निजी स्कूल की ओर जाना पड़ता है। ऐसे में अगर सरकारी विद्यालयों का सुधार हो जाए तो निजी स्कूलों की मनमानी पर काफी हद तक लगाम लग सकेगी। अभिभावकों ने एडेड कॉलेजों को भी सुधारने पर जोर दिया। फीस बढ़ोतरी अभिभावक के वेतन के अनुसार होनी चाहिए। हर साल वेतन की अपेक्षा अधिक फीस बढ़ा दी जाती है। मिशनरी स्कूलों के लिए भी फीस बढ़ोतरी के नियम बनने चाहिए। वहां शिक्षकों का वेतन बढ़ता है। इससे अन्य विद्यालयों के शिक्षक भी वेतन बढ़ाने की मांग करते हैं और फीस बढ़ानी पड़ती है। बाल निकुंज इंटर कॉलेज के प्रबंधक एसएन जायसवाल ने कहा कि सरकारी स्कूलों में सरकार एक बच्चे पर बजट खर्च करती है, वही फीस निजी स्कूलों में भी लागू होनी चाहिए। सरकार जब फीस निर्धारित करेगी तो उसकी मॉनीटरिंग भी होगी। प्रबंधक रामजन्म सिंह ने कहा कि फीस का निर्धारण बहुत ही मुश्किल है। जिस विद्यालय की जैसी फीस है, वैसी सुविधाएं भी बच्चों को मिलती हैं। किसी अभिभावक को गुमराह कर उसके बच्चे का दाखिला नहीं लिया जाता। निजी स्कूल के कोआर्डिनेटर सुधीर मिश्रा ने कहा कि स्कूलों का वर्गीकरण करते हुए फीस निर्धारण होना चाहिए। कई बार निजी स्कूलों के सामने 100 प्रतिशत शुल्क जमा कराना भी चुनौती होता है। इससे वित्तीय बजट पर बोझ पड़ता है। अभिभावक आरके निगम, अफीक सिद्दीकी, वेद गुप्ता, कल्पना अग्रवाल, ज्योति, आयुष जायसवाल, अंजना भारती, अंकिता श्रीवास्तव, ऐश्वर्य सिंह, श्वेता श्रीवास्तव, निजी स्कूल के प्रबंधक एसएन जायसवाल, प्रबंधक रामजन्म सिंह, कोऑर्डिनेटर सुधीर मिश्रा।

मजदूर दिवस पर जौनपुर में श्रमिकों का सम्मान, अधिकारों की रक्षा का लिया संकल्प

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर शुक्रवार को समाजवादी मजदूर सभा के तत्वाधान में लाला बाजार स्थित प्रिंस ईंट उद्योग (ईंट भट्ठा) पर कार्यरत मजदूरों के सम्मान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रमिकों की भागीदारी रही और उन्हें सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी मजदूर सभा के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सचिव डॉ. अजय यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव विशाल कनौजिया ने किया। मुख्य अतिथि अमित यादव ने श्रमिकों को मजदूर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मजदूरों के अधिकारों के लिए इतिहास में बड़े संघर्ष हुए हैं, जिनके परिणामस्वरूप 8 घंटे कार्य का कानून लागू हुआ। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान नीतियां श्रमिक हितों के विपरीत हैं और समाजवादी मजदूर सभा इसका विरोध करती है। उन्होंने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी की सोच समाज के हर वर्ग को समान भागीदारी देने की है। इसी क्रम में ईंट भट्ठों पर कार्यरत महिला श्रमिकों को भी प्रतिनिधित्व दिलाने के उद्देश्य से ओबीसी, एससी, एसटी एवं अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग उठाई गई है। कार्यक्रम के दौरान हाल ही में मजदूर आंदोलनों में गिरफ्तार श्रमिकों और नेताओं की जल्द रिहाई की मांग भी की गई। अंत में उपस्थित मजदूरों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा करने और मजदूर विरोधी नीतियों का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर सादिक अली, रमाशंकर चौहान, धीरज सिंह, धीरेंद्र सिंह, राजबहादुर यादव, अच्छेलाल यादव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी श्रमिकों का माल्यार्पण कर स्वागत एवं सम्मान किया गया, साथ ही कार्यक्रम के अंत में मिष्ठान वितरण भी किया गया।

एस.के.डी. एकेडमी एवं एस.के.डी. इंटरनेशनल स्कूल की सभी शाखाओं में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई बुद्ध पूर्णिमा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बुद्ध पूर्णिमा का पावन पर्व एस.के.डी. एकेडमी एवं एस.के.डी. इंटरनेशनल स्कूल की सभी शाखाओं में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर का उद्देश्य भगवान बुद्ध के शांति, करुणा, अहिंसा एवं सदाचार के संदेशों को विद्यार्थियों तक पहुँचाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी शाखाओं में विशेष प्रार्थना सभाओं के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने भगवान बुद्ध के जीवन एवं उनके उपदेशों पर आधारित भाषण प्रस्तुत किए, प्रार्थनाएँ कीं तथा प्रेरणादायक लघु नाटिकाओं का मंचन किया। विद्यालय परिसर शांति, सौहार्द एवं सद्भावना के संदेशों से गूंज उठा, जिससे विद्यार्थियों को इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा मिली। शिक्षकों ने बुद्ध पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को सत्य, सजगता (माइंडफुलनेस) और सहानुभूति जैसे गुणों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही पोस्टर निर्माण, निबंध लेखन एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिससे विद्यार्थियों की विषय के प्रति समझ और गहरी हो सके। इस अवसर पर एस.के.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक मनीष सिंह ने अपने संदेश में कहा बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर आइए हम भगवान बुद्ध के शांति, अहिंसा और करुणा के संदेश को याद करें और उन्हें अपने जीवन में उतारने का संकल्प लें। आज के तेज–तर्रार और तनावपूर्ण समय में उनके धैर्य, समरसता और आत्म–अनुशासन के सिद्धांत हमारे लिए मार्गदर्शक हैं। एस.के.डी. में हम न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता बल्कि छात्रों में मजबूत नैतिक मूल्यों के विकास के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। बुद्ध जयंती के इस पावन अवसर पर मैं सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा शांति, सम्मान एवं मानवता के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने के संकल्प के साथ किया गया। इस प्रकार के सार्थक आयोजनों के माध्यम से एस.के.डी. एकेडमी एवं एस.के.डी. इंटरनेशनल स्कूल निरंतर विद्यार्थियों के समग्र एवं नैतिक विकास की दिशा में कार्यरत हैं, जिससे वे एक जिम्मेदार एवं संवेदनशील नागरिक बन सकें।

श्रमिक समाज और विकास की रीढ़ हैं : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को निर्माणाधीन जिला कारागार रसैना में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में श्रमिकों के हितार्थ जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यरत श्रमिकों को सम्मानित करते हुए उनके योगदान को सराहा गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने करीब 50 महिला एवं पुरुष श्रमिकों को अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। साथ ही उन्हें फल वितरित किए गए और बच्चों को चॉकलेट दी गई। श्रमिकों के सम्मान में विशेष रूप से सार्वजनिक भोज का भी आयोजन किया गया तथा इस दिन उन्हें कार्य से अवकाश प्रदान किया गया। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने श्रमिकों को श्रमिक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि श्रमिक समाज और विकास की रीढ़ हैं। उनके परिश्रम और समर्पण से ही निर्माण कार्यों को गति मिलती है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ हर श्रमिक तक पहुंचे, इसके लिए सभी को श्रम विभाग में पंजीकरण कराना आवश्यक है। उन्होंने श्रमिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान श्रमिक पंजीकरण कैंप एवं स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया, जहां श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। सहायक श्रमायुक्त देवव्रत यादव ने श्रमिकों को विभागीय योजनाओं से अवगत कराते हुए पंजीकरण कराने की अपील की। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, जेल अधीक्षक, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।

बुद्ध पूर्णिमा पर शीतला चौकियां धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, 50 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर शुक्रवार को पूर्वांचल में आस्था का केंद्र मां शीतला चौकियां धाम में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही दर्शन–पूजन के लिए मंदिर परिसर में भारी भीड़ देखने को मिली। मंदिर प्रशासन के अनुसार, दिनभर में करीब 50 हजार श्रद्धालुओं ने माता शीतला के दर्शन किए। भोर होते ही श्रद्धालु कड़ाही चढ़ाने, नारियल व चुनरी अर्पित करने के साथ माता रानी के दर्शन के लिए कतारों में लग गए। वाराणसी, आजमगढ़, सुल्तानपुर और गाजीपुर समेत आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग अपने बच्चों का मुंडन संस्कार कराने और पूजा–अर्चना के लिए पहुंचे। मंदिर परिसर जयकारों से गूंजता रहा और भक्तिभाव का माहौल बना रहा। दोपहर में मां शीतला का भव्य श्रृंगार किया गया, जिसके बाद आरती कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर में जय नारायण पंडा, सोनू पंडा और चंद्रदेव पंडा ने श्रद्धालुओं को विधि–विधान से दर्शन–पूजन कराया। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था में सुजीत मौर्य और विजय यादव लगातार सक्रिय रहे। मंदिर के महंत विवेकानंद पंडा ने बताया कि बुद्ध पूर्णिमा के कारण इस बार श्रद्धालुओं की संख्या में विशेष वृद्धि हुई। वहीं, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और वाहनों की अधिकता के चलते मंदिर के आसपास करीब आधा किलोमीटर तक जाम की स्थिति बनी रही, जिससे लोगों को कुछ असुविधा का सामना करना पड़ा। प्रशासन द्वारा व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास जारी रहे।

आंधी–तूफान से जनहानि एवं विद्युत व्यवस्था को नुकसान से राहत दिलाने मे जुटे प्रशासनिक अधिकारी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।जिले मे आधी–तूफान से जनहानि एवं विद्युत व्यवस्था को नुकसान से राहत दिलाने मे प्रशासनिक अधिकारी व कर्मी जुटे रह।पिछले दो दिनों मे आए तेज आंधी–तूफान एवं खराब मौसम के कारण हुई क्षति का आंकलन किया गया है।इस प्राकृतिक आपदा में कुल 7 व्यक्तियों की दुःखद मृत्यु हुई है।जिसमें सोहावल में एक व बीकापुर में छरू मृत्यु हुई है।एसडीएम सोहावल सविता व बीकापुर एसडीएम दिवंगतों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई है।आंधी–तूफान के चलते विद्युत व्यवस्था को भी नुकसान पहुंचा है। बिजली विभाग के सभी खण्डों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद में लगभग 1300 विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिससे कई क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई थी।जिसको लेकर डीएम शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर विद्युत विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त विद्युत पोलों के शीघ्र प्रतिस्थापन एवं विद्युत आपूर्ति बहाल करने हेतु युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। विद्युत विभाग की टीमें लगातार प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत हैं और प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक सेवाओं को बहाल किया जा रहा है।प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है जनहानि के मामलों में राजस्व विभाग की टीम द्वारा पीड़ित परिवार से मिलकर शासन द्वारा अनुमन्य सहायता राशि प्रदान करने की कार्यवाही की जा रही है।

शहर के क्षत्रिय बोर्डिंग मे 4 मई को समरसता महाकुंभ का भव्य आयोजन

अयोध्या। विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में समरसता महाकुंभ का भव्य आयोजन दिनांक 4 मई 2026 को क्षत्रिय बोर्डिंग, लालबाग, अयोध्या में सम्पन्न होगा।यह आयोजन समाज में समरसता, एकता और सांस्कृतिक जागरण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता के दौरान इस बात की जानकारी देते हुए प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप ने कहा कि "समरसता महाकुंभ केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में पिरोने का अभियान है।महानगर अध्यक्ष अभय ने कहा कि"समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता में निहित है।महानगर संगठन मंत्री अभिषेक ने कहा कि "यह आयोजन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा और समाज में सेवा, समर्पण एवं सहयोग की भावना को सुदृढ़ करेगा।"विहिप के विभाग मंत्री धीरेश्वर ने कहा कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विहिप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मिलिंद परांडे,राम मंदिर आंदोलन के प्रणेता एवं सुप्रसिद्ध कलाकार बाबा श्याम नारायण मौर्य, आचार्य गजेंद्र जी, आचार्य विजय प्रताप, पूर्व महंत वैदेही बल्लभ शरण जी महाराज, आचार्य बृजेंद्र सिंह कुलपति अवध विश्वविद्यालय,अयोध्या कुलपति नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज, जितेंद्र,अभिषेक सिंह, रंजीत मौर्य, विजय कुमार रंजन, वीरेंद्र कुमार सिंह, निरंकार मौर्य, जयप्रकाश,आशुतोष,अभिनव राजपूत, प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय,मेयर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह, मसौधा ब्लॉक प्रमुख अभिषेक सिंह सहित अन्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि मौजूद रहेंगे।कार्यक्रम के प्रचार–प्रसार के लिए प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप ने ई–रिक्शा प्रचार वाहन को धर्म ध्वजा दिखाकर विधिवत रवाना किया। साथ ही, घर–घर अक्षत (चावल) भेजकर नागरिकों को आमंत्रित किया जा रहा है,जिससे अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।इस महाकुंभ को व्यापक स्वरूप देने हेतु विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं को भी जोड़ा जा रहा है, जिनमें गायत्री परिवार, आर्य समाज एवं अभिनव भारत न्यास सहित अनेक संस्थाएं सक्रिय सहभागिता कर रही हैं।इन संस्थाओं के सहयोग से कार्यक्रम को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाया जा रहा है।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष (ग्रामीण) बी.के. सिंह, महानगर मंत्री अखिलेश वर्मा, सह मंत्री अभिनव सिंह राजपूत सहित कई कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

आंधी–तूफान का कहर, मासूम समेत तीन की मौत

ब्यूरो चीफ– आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर। बुधवार को आई तेज आंधी और मूसलाधार बारिश ने बल्दीराय तहसील क्षेत्र में भारी तबाही मचा दी। चंद मिनटों के तूफान ने तीन परिवारों की खुशियां उजाड़ दीं। अलग–अलग गांवों में पेड़, कच्ची दीवार और छप्पर गिरने से आठ वर्षीय मासूम बच्ची समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई,जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उधर हलियापुर में भाजपा नेता हिन्देश सिंह के यहां चल रहे वरीक्षा समारोह में चिलबिल का विशाल पेड़ गिरने से भगदड़ मच गई,तीन कारें दब गईं और टेंट उखड़कर बिखर गया।कस्बा मफियात में सुरेश कुमार सोनकर की आठ वर्षीय पुत्री महिमा छप्पर गिरने से दबकर मौत का शिकार हो गई। सिंघनी गांव में रामबरन (58) पेड़ के नीचे दबकर दम तोड़ बैठे, जबकि डोभियारा मजरे पूरे निधई तिवारी में रीता यादव (35) कच्ची दीवार व छप्पर के मलबे में दबकर मौत के आगोश में समा गईं। रैंचा मजरे पूरे पंचान की मीरा देवी गंभीर रूप से घायल हैं।आंधी का तांडव यहीं नहीं रुका। हलियापुर में भाजपा नेता हिन्देश सिंह के पारिवारिक वरीक्षा समारोह में अचानक चिलबिल का विशाल पेड़ गिर पड़ा। मौके पर अफरा–तफरी मच गई। पेड़ की चपेट में आकर तीन कारें क्षतिग्रस्त हो गईं और समारोह का टेंट उखड़ गया। हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन लोग देर तक दहशत में रहे।तेज हवा के झोंकों ने बल्दीराय क्षेत्र में कई कच्चे मकान गिरा दिए,पेड़ उखाड़ दिए और लोगों को सहमा दिया।अचानक आई इस प्राकृतिक आफत ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया है।

लता चौक पर महिला एसओ आशा शुक्ला के नेतृत्व मे महिला एसआई चेतना पाण्डेय ने महिलाओ को किया जागरुक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।शुक्रवार को एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ सिटी श्रीयेश त्रिपाठी की देखरेख मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व मे लता चौक व आसपास महिला उप निरीक्षक चेतना पांडे ने महिला कांस्टेबल लक्ष्मी सोनी,पीआरडी साधना, माधुरी व महिला पुलिसकर्मियो के साथ महिलाओ को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी देते हुए बताया कि जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं।इस मौके पर उन्होंने महिलाओ व बालिकाओं से कहीं।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

हाई स्कूल छात्रा को सभी विषयों के प्रेक्टिकल मे फेल करने के आरोप में डीआईओएस ने तीन सदस्यीय जांच समिति का किया गठन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। जिले के आजाद इंटर कॉलेज पलिया जगमोहन सिंह कुचेरा में बहुचर्चित एक प्रकरण आया हुआ है।इस प्रकरण में हाई स्कूल की छात्रा ने कॉलेज के प्रधानाचार्य पर आरोप लगाया कि उसे साजिश के तहत हाई स्कूल के सभी विषयों के प्रयोगात्मक परीक्षा में अधिकतम चार अंक दिया गया है।जिसके चलते उक्त छात्रा हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा 2026 में अनुत्तीर्ण हो गई।उन्होंने इसकी शिकायत जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन कुमार तिवारी तो बताई।उन्होंने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तीन सदस्यो की जांच कमेटी का गठन कर कमेटी को 2 दिन के अंदर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।इस कमेटी में सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पांडेय अध्यक्ष व जीआईसी ददेरा के प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार तथा राजकीय हाई स्कूल घुडवल की प्रधानाध्यापिका मृदुला रानी सदस्य के रुप मे शामिल है।जांच कमेटी के अध्यक्ष अवनीश कुमार पांडेय ने बताया कि इस मामले की निष्पक्ष तथा बिना किसी दबाव के जांच की जाएगी और तय सीमा के अंदर जांच रिपोर्ट डीआईओएस को सौंपी जाएगी।बताते चले कि सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पांडे की शिक्षा विभाग के तेज तर्रार तथा ईमानदार अधिकारियों मे गिनती की जाती है।यह वही शिक्षा अधिकारी है जो पिछले वर्ष कई अवैध रुप से कोचिंगों के खिलाफ कार्यवाही किया था।

आम के पेड़ से लटककर अधेड़ ने दी जान

ब्यूरो चीफ– आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर । कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के बरूई गांव में शुक्रवार को एक अधेड़ व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना से गांव में सनसनी फैल गई और परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, बरूई गांव निवासी अमर बहादुर निषाद (55) ने अपने घर से करीब 200 मीटर दूर स्थित एक आम के पेड़ से फांसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। ग्रामीणों ने जब पेड़ से लटका शव देखा तो हड़कंप मच गया और इसकी सूचना परिजनों व पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची है।

महाविद्यालय में लगेगा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर – आलोक तिवारी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री जिला रेड क्रॉस काउंसलर आलोक तिवारी ने बताया कि कालका प्रसाद नारायण दास महाविद्यालय एवं श्री राम वल्लभ इंटर कॉलेज के तत्वाधान में महाविद्यालय परिसर में छात्र–छात्राओं के लिए निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 4 मई 2026 दिन सोमवार समय 10रू00 बजे से 2रू00 तक लगाया जा रहा है।जिसमें जनपद एवं सामुदायिक केंद्र सोहावल के विशेषज्ञ डॉक्टर स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे। आंख नाक कान एवं टीवी के विशेषज्ञ डॉक्टर के साथ महिला डॉक्टर एवं एक्स–रे मशीन भी उपलब्ध रहेगी छात्र छात्राओं से अपील है कि प्रशिक्षण शिविर में अधिक संख्या में पहुंचकर अपने स्वास्थ्य का परीक्षण कार्यक्रम का लाभ लें।

मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत सीओ सिटी,इंस्पेक्टर नगर व महिला एसओ अपने छात्रों को सुरक्षा के प्रति किया जागरुक

अयोध्या। गुरुवार को महिलाओं एवं बालिकाओंछात्राओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान (फेज–05) के द्वितीय चरण के अंतर्गत कार्यक्रम नाका स्थित चिरंजीव नर्सिंग इंस्टीट्यूट में आयोजित किया गया।इस मौके पर नर्सिंग इंस्टीट्यूट की छात्राओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीओ सिटी नगर श्रीयश त्रिपाठी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इस मौके पर उन्होंने छात्राओं को अपनी सुरक्षा व रक्षा करने के बारे में विभिन्न जानकारियां प्रदान कीं।इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला व नगर कोतवाल अश्विनी पांडेय ने कार्यक्रम में मौजूद छात्राओं को सजग और सुरक्षित रहने के कई टिप्स बताये।कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि ष्कुछ पल फाउंडेशनष की अध्यक्ष नीलम मंधयान ने छात्राओं को अपनी सुरक्षा और अधिकारों के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। इस मौके पर नर्सिंग कॉलेज के चेयरमैन डॉ उमेश चौधरी ने वहां आए सभी अतिथियों का स्वागत किया व कालेज की छात्राओं को आत्मरक्षा हेतु विभिन्न जानकारियां प्रदान कीं। नर्सिंग कॉलेज की डायरेक्टर डॉ जयंती चौधरी ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम की सराहना की और इसे नारी शक्ति की रक्षा के लिए बहुत सराहनीय कदम बताया। इस दौरान मिशन शक्ति टीम एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रतिभागियों को महिला अधिकारों, सुरक्षा उपायों, साइबर अपराध से बचाव के तरीकों तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम के इस मौके पर मिशन शक्ति टीम की सभी महिला पुलिस के अलावा चिरंजीव नर्सिंग इंस्टीट्यूट के प्रबंधक केपी मिश्र, प्रधानाचार्य डॉ विशाल अल्बर्ट, उप प्रधानाचार्या रिंकी शुक्ला सहित कालेज के सभी अध्यापक अध्यापिकायें व छात्राएं मौजूद थे।

वीडियो वायरल मे दिखा मातृत्व प्रेम

अयोध्या।रामनगरी में मां की मातृत्व प्रेम का वीडियो वायरल हो रहा है।जिसमे एक माँ दो वक्त की रोटी के लिए लोगो के यहाँ साफ सफाई करती है।इस दौरान उक्त माँ अपनी बेटी को गोद में न लेकर बल्कि झोले में बिठाकर एक जगह से दूसरे जगह तक जाती है और लोगों के यहां साफ सफाई भी करती है।इस संबंध में उसने बताया कि वह 1 साल से इसे झोले में लेकर लोगो के घरों पर काम करने जाती है।बताया कि उसके पति के चोट लग जाने के बाद बेटी को झोले मे लेकर दूसरे के घर काम करती हैं।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर 167 जोड़ों का सामूहिक विवाह, 85 हजार की सहायता

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। उप्र भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड, लखनऊ द्वारा संचालित निर्माण श्रमिकों के हितार्थ चलाई जा रही 'कन्या विवाह सहायता योजना' के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपश्रमायुक्त कार्यालय, खपराडीह कोठी परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 167 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ, जिसमें 164 जोड़े हिंदू रीति–रिवाज से तथा 3 मुस्लिम जोड़ों का निकाह मौलवी द्वारा कराया गया। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर वर्चुअल माध्यम से जुड़े और श्रमिकों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवदंपति को 85 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई, साथ ही विवाह आयोजन हेतु प्रति जोड़ा 15 हजार रुपये व्यय किया गया। कार्यक्रम में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार श्रमिकों के सर्वांगीण कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे प्रयास न केवल आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक परिवारों को सहारा देते हैं, बल्कि उन्हें सम्मान के साथ सामाजिक मुख्यधारा में आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान करते हैं। ऐसे सामूहिक विवाह कार्यक्रम समाज में व्याप्त कुरीतियों, दिखावे और अनावश्यक खर्चों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करते हैं तथा सादगीपूर्ण और संस्कारयुक्त वैवाहिक परंपरा को प्रोत्साहित करते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि यह पहल जरूरतमंद परिवारों के लिए अत्यंत सराहनीय है। महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम भारतीय संस्कृति और परंपरा का उत्कृष्ट उदाहरण है। जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाएं समाज के हर वर्ग तक पहुंच रही हैं। उपश्रमायुक्त अमित मिश्रा ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक श्रमिकों से बोर्ड में पंजीयन कराने की अपील किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रमिक परिवार उपस्थित रहे।

प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने की मांग, प्रधान संघ ने सौंपा ज्ञापन

भदोही, (संवाददाता)। ग्रामीण सत्ता पंचायती राज संगठन की जिला इकाई ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम को ज्ञापन सौंपा। राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन में ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की गई। कहा गया कि पिछले चुनाव में प्रशासकों को जिम्मेदारी दी गई थी, जिससे कई गांवों में गड़बड़ी हुई। राष्ट्रीय महासचिव राजमणि पांडेय के नेतृत्व में कई गांवों के प्रधान कलेक्ट्रेट पहुंचे। उनका कहना था कि ग्राम पंचायतें ग्रामीण प्रशासन की आधारशिला हैं। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान में पंचायत चुनाव को लेकर अनिश्चितता और जनगणना जैसे राष्ट्रीय कार्य के चलते यदि पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त होता है तो प्रशासनिक शून्यता उत्पन्न हो सकती है। इससे विकास कार्य और जनगणना प्रभावित होंगी। संगठन ने मांग की कि वर्तमान ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्यों का कार्यकाल तब तक बढ़ाया जाना चाहिए, जब तक नए प्रतिनिधि निर्वाचित होकर कार्यभार ग्रहण न कर लें।

बीएसए ने नामांकन शून्य वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षकों सहित सभी कर्मियों का रोका वेतन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।पिछले दिनों बीएसए लाल चंद्र ने जिले के कई प्राथमिक तथा माध्यमिक स्कूलों में ताबड़तोड़ निरीक्षण किया इस दौरान जहां पर उन्हें कमियां दिखाई दी वहां पर तैनात प्रधानाचार्यो,अध्यापकों से स्पष्टीकरण मांगा था। लेकिन जिले के 61 स्कूलों में बच्चों का नामांकन शून्य रहा जिसे गंभीरता से लेते हुए बीएसए लालचंद ने इन विद्यालयों के प्रधानाचार्य शिक्षक तथा अन्य स्टाफ के वेतन अगले आदेश तक संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों को रोकने के निर्देश दिए हैं और दो दिन के अंदर रिपोर्ट सौंपने के भी निर्देश दिए।बताया कि जनपद के 61 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा–1 और कक्षा–6 में नामांकन शून्य पाया गया है।जांच में सामने आया कि 113 प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा–1 में एक भी

छात्र का नामांकन नहीं हुआ।जबकि 10 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा–6 में प्रवेश शून्य है। इसके अलावा 6 ऐसे विद्यालय भी मिले हैं, जहां दोनों कक्षाओं में एक भी छात्र नहीं है।बताया कि समीक्षा में यह भी सामने आया कि संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापक और स्टाफ द्वारा नामांकन बढ़ाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए।बताया कि पूर्व में भी सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्याओं तथा शिक्षकों को निर्देश दिए गए थे कि वे सभी अपने अपने स्कूलों में बच्चों के नामांकन बढ़ाएं। लेकिन अपेक्षित सुधार नहीं दिखा।मामले को गंभीरता से लेते हुए बीएसए ने कड़ा रुख अपनाया है।जिन विद्यालयों में नामांकन शून्य है, वहां के प्रधानाध्यापक, शिक्षक और स्टाफ का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश दिए गए हैं।साथ ही सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने स्तर पर समीक्षा कर दो दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें और नामांकन बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएं।इस कार्रवाई से साफ संकेत है कि अब शिक्षा विभाग नामांकन को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा।आने वाले दिनों में ऐसे विद्यालयों पर और सख्त कार्रवाई हो सकती है।

डीडीयू को मिले पांच नए शिक्षक, कार्य परिषद में खुला लिफाफा

गोरखपुर, (संवाददाता)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में बुधवार को कार्य परिषद की बैठक आयोजित हुई। इसमें विभिन्न विभागों में नए शिक्षकों की नियुक्तियों का लिफाफा खुला। इसके साथ ही राजभवन की ओर से गठित की जाने वाली सर्च कमेटी के एक सदस्य के रूप में प्रसिद्ध वनस्पति विज्ञानी प्रो. जीडी शर्मा के नाम को मंजूरी दी गई। कार्य परिषद ने अंग्रेजी विभाग में आचार्य पद पर अजय चौबे, बायोटेक्नोलॉजी विभाग में सहयुक्त आचार्य पद पर डॉ. निर्मल प्रभाकर, वनस्पति विज्ञान विभाग में सहयुक्त आचार्य पद पर डॉ. शंभू कुमार और सहायक आचार्य पद पर आनंद कुमार के चयन को मंजूरी दी। साथ ही होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी में आशीष रंजन को सहायक आचार्य (कांट्रैक्चुअल) के रूप में नियुक्ति को स्वीकृति दी। इसके अलावा कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (कैस) के अंतर्गत विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. रामवंत गुप्ता और अंग्रेजी विभाग के डॉ. आमोद रॉय को सहयुक्त आचार्य से आचार्य पद पर प्रोन्नति दिए जाने को स्वीकृति प्रदान की गई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।